Dainik Bhaskar, 08th July 2024, Page - 05

आईआईटी इंदौर ने 20 सेकंड में मिट्टी परीक्षण की तकनीक बताई

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर ने सिमरोल ग्राम के किसानों को सस्टेनेबल फार्मिंग और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में जानकारी दी। आईआईटी के प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी के साथ ही प्रोफेसर पल्लबी मुखर्जी, मयंक दुबे, सुमित चौधरी और डॉ. चंद्रभान पटेल ने मिट्टी परिक्षण और टेक्नोलॉजी की विशेषताओं के बारे में बताया। इससे किसानों को नुकसान कम करने और फसल की उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। इस दौरान गांव घोसीखेड़ा और सिमरोल के 100 से अधिक किसान मौजूद थे।

आईआईटी के प्रोफेसर द्वारा बनाए गए के आइडिया को बाजार में लाने के लिए बनाई गई कंपनी क्वांटेक एल2एम द्वारा ये प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम रखा गया था। कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ डॉ. चंद्रभान पटेल ने फर्टिलाइजर के उपयोग, उसके इतिहास और सस्टेनेबल फार्मिंग के नए तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर के मार्गदर्शन में क्वांटेक एल2एम द्वारा बनाई गई मशीन कैसे किसानों को मिट्टी पैरामीटर के बारे में तुरंत जानकारी प्रदान कर सकती है और मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता में सुधार के लिए सुझाव भी दे सकती है। क्वांटेक एल2एम के निदेशक और आईआईटी के प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी ने बताया कि आज उनके पास ऐसी मशीन भी उपलब्ध हैं जिससे फसल में होने वाली बीमारियों की समय पर पहचान में भी मदद मिल सके। चीफ टेक्निकल ऑफिसर विकास वर्मा ने बताया कि यह टेक्नोलॉजी 20 सेकंड में मिट्टी की जांच कर लेती है। इसकी मदद से किसान पता कर सकते हैं कि उनके खेतों में कौनसे फर्टिलाइजर और दवाइयों की जरूरत है जिससे उनकी भूमि से प्रोडक्शन बढ़ सके। इस कार्यक्रम में सिमरोल गांव के सरपंच लेखराज डाबी भी उपस्थित थे।